चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	**11.08.2020**	**02**	**07-08**

CCS VARSITY LAUNCHES AGRI STARTUPS

Hisar: CCS Haryana Agricultural University, Hisar, has successfully launched its one of a kind, one-stop incubation centre for agri startups named as the "Agri Business Incubation Centre (ABIC)" for supporting startups in agri-allied and agri-biotech sectors, supported by NABARD and the Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY), Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, (GoI) in 2019. Professor Samar Singh, Vice-Chancellor and president of ABIC says that it is a matter of great pride for all of us and specially for ABIC that the Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare sanctioned Rs 102 lakh for 11 startups under the RKVY-RAFTAAR scheme for converting their ideas from mind to market and flourish their ventures with the guidance from ABIC. ABIC, CCSHAU intends to promote agripreneurial eco-system and nurture a system of agri-business incubation by providing incubation support and hand-holding innovative and highly potential agri-business ideas with the concept of growth through encouraging innovation, upgrading technology and developing skills.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	**11.08.2020**	**02**	**03-05**

बाग लगाने से पहले मिट्टी में सूत्रकृमि की जांच करवानी चाहिए: प्रो. समर सिंह

एचएयू के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के ऑनलाइन सेमिनार को वीसी ने संबोधित किया

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए, ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वह एचएयू के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग की तरफ से आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का मुख्य विषय 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' था। प्रो. समर सिंह ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

वेबिनार में भाग लेते प्रतिभागी।

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं के पूर्व प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रमन कुमार वेबिनार के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने वेबिनार में बागवानी फसलों में लगने वाले सूत्रकृमि तथा उनके समाधान पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बीमारी मुक्त या सूत्रकृमि मुक्त नर्सरी के उपयोग पर जोर दिया। इसके अलावा डॉ. वालिया ने पॉलीहाउस की फसलों में समेकित सूत्रकृमि प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। वेबिनार के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर पूछे विभिन्न सवालों के जवाब दिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर बताए गए सुझाव अपनाने पर बल दिया। वेबिनार में देश के 14 राज्यों के 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस वेबिनार में देशभर से किसान, छात्र, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने सभी प्रतिभागियों व अतिथियों का वेबिनार में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	**11.08.2020**	**02**	**06-08**

निबंध लेखन में उजागर हुए नई शिक्षा नीति के फायदे

एचएयू में हुई ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता

सिटी रिपोर्टर • एचएयू में ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। छात्र कल्याण निदेशालय की तरफ से आयोजित ये प्रतियोगिता भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के अवसर कराई गई। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। आज देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है व हर नागरिक इसमें अहम् भूमिका निभा रहा है। कोरोना के खिलाफ सभी को सामाजिक दूरी कायम रखते हुए मास्क का प्रयोग कर सावधानी बरतनी चाहिए। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में एचएयू के 66 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने निबंध भेजे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुकसान' पर आधारित था। इस प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, दीप्ति सहरावत द्वितीय और प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**11.08.2020**	**02**	**04-05**

सूत्रकृमि प्रबंधन तकनीकों को अपनाएं किसान : प्रो. समर सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाना चाहिए, ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का मुख्य विषय बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान था। कुलपति ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**11.08.2020**	**02**	**04-05**

निबंध प्रतियोगिता में शुभम प्रथम

दीप्ति सहरावत

शुभम सचदेवा

प्राची बंसल

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है।

छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेंद्र ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय नई शिक्षा नीति के फायदे व नुकसान पर आधारित था। प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभम सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीप्ति सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन लिटरेरी ऐंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा की अगुवाई में किया गया व डॉ. विरेंद्र दलाल ने इसका संचालन किया। पंजीकरण का कार्य सोसायटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	**11.08.2020**	**02**	**05-06**

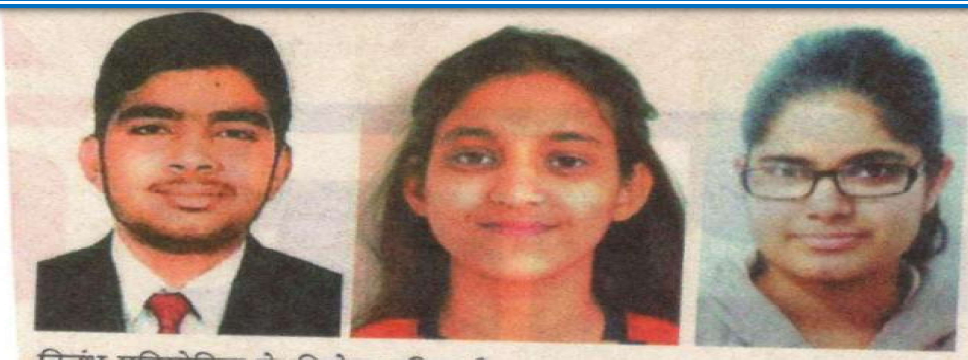

निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी।

ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता में शुभम रहा प्रथम

हिसार, 10 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुक्सान' पर आधारित था।

इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभम सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीप्ति सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया।

इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	**11.08.2020**	**04**	**08**

सूत्रकृमि प्रबंधन तकनीकों को अपनाएं किसान : कुलपति

हिसार, 10 अगस्त (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन वैबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वैबिनार का मुख्य विषय 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' था। प्रो. समर सिंह ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है। विभागाध्यक्ष डॉ. रमन कुमार ने बताया कि बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	**09.08.2020**	**04**	**05**

युवा महिला वैज्ञानिक अवार्ड से नवाजी गईं डा. सोनिका

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तहत कृषि महाविद्यालय कौल में जेनेटिक एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. सोनिका भानखड़ को युवा महिला वैज्ञानिक अवार्ड-2020 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह अवार्ड एग्रो एन्वायरमेंट डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा जेनेटिक्स एवं प्लांट ब्रीडिंग के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रदान किया गया है।

डा. सोनिका।

यह अवार्ड डा. सोनिका को जून में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन न्यू ट्रेंड्स इन एग्रीकल्चर, एन्वायरमेंटल एंड बॉयोलोजिकल साइंस फॉर इन्क्लूसिव डेवलपमेंट के अवसर पर दिया गया। डा. सोनिका ने इससे पहले एमडीयू रोहतक में एमएससी में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। उन्होंने एचएयू के हिसार कैंपस में जेनेटिक एंड प्लांट ब्रीडिंग विषय में शोध किया। साथ ही नेट जेआरएफ भी प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर मां कौशल्या, पिता धूप सिंह व बहन मोनिका ने खुशी जाहिर की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	**11.08.2020**	**01**	**01-05**

कवायद

विश्वविद्यालय और शहर का कचरा लेकर कैंपस में तैयार होगी बिजली, खाद और बॉयो गैस, पराली का भी हो सकेगा प्रबंधन

एचएयू में बनेगा देश का पहला मैकेनाइज्ड बॉयो वेस्ट प्लांट

कचरे से आजादी

स्वच्छ भारत
स्वस्थ भारत

वैभव शर्मा • हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) कचरे से ऊर्जा स्वावलंबन की ओर आगे बढ़ रहा है। एचएयू अपने कैंपस का ही नहीं, शहर के अन्य हिस्सों से भी निकले कचरे से खुद ही बिजली और सीएनजी गैस बनाएगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय में करीब 6 करोड़ की राशि से आस्ट्रिया की कंपनी की मदद से सीएनजी बायोगैस प्लांट का निर्माण शुरू हो चुका है। इस प्लांट में पराली, वेस्ट फूड और गोबर एवं घरेलू कचरे का इस्तेमाल किया जाएगा। कचरे की पूर्ति होती रहे इसके लिए शहरवासी भी प्लांट में कचरा बेचकर आय कर सकेंगे। प्लांट पर अभी तक 90 फीसद काम पूरा भी हो चुका है। खास बात यह है कि इस प्लांट की मदद से एचएयू का पूरा कैंपस अपनी खुद की बनाई बिजली से रोशन होगा और सीएनजी गैस से कैंपस की गाड़ियां सरपट दौड़ेंगी। हाल ही में यहां कचरा से बायो गैस भी बनाई गई, जिसे सिलेंडर में स्टोर किया गया। आस्ट्रिया की कंपनी के कर्मचारियों की देखरेख में इसका निर्माण फेज वाइज किया जा रहा है। सब ठीक रहा तो दो महीने में ये प्लांट काम शुरू कर देगा। एचएयू के इस कदम से कैंपस में रोजाना जनरेट होने वाले कचरे के निस्तारण में मदद मिलेगी। इसके अलावा कृषि अवशेषों का इसमें प्रयोग किए जाने से लोग फसल अवशेष जलाने से भी परहेज करेंगे। भविष्य में एचएयू शहर का कचरा और किसानों की पराली भी लेगा। साथ ही यहां खाद और बॉयो गैस भी तैयार की जा सकेगी।

हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित सेंटर फॉर एग्री वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट। • जागरण

6 करोड़ होंगे खर्च, ऑस्ट्रिया की कंपनी करेगी मदद

90 फीसद काम पूरा भी हो चुका है

6 विश्वविद्यालय को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में एग्री वेस्ट बॉयो गैस प्लांट बहुत मदद करने वाला है। इस के जरिये हम बिजली, बॉयो गैस और सीएनजी गैस बनाने जा रहे हैं।

प्रो.समर सिंह, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

यह होगी प्लांट की विशेषताएं

- प्लांट क्षमता- 100 किलोवाट
- फीड इनपुट - 10 टन प्रतिदिन
- सब्सट्रेट्स - गोबर, फूड वेस्ट, फसल अवशेष (पराली), रसोई का कचरा
- बायोगैस उत्पादन- 2 लाख घन मीटर
- कुल ऊर्जा उत्पादन - 2.236 मेगा वाट आवर प्रति वर्ष
- कुल विद्युत उत्पादन- 800 मेगावाट आवर प्रति वर्ष
- थर्मल क्षमता- 128 किलोवाट
- कुल ताप उत्पादन- 992 मेगा वाट आवर प्रति वर्ष
- अनुकूलित जैविक खाद- 5 टन प्रतिदिन।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	**11.08.2020**	**03**	**08**

निबंध प्रतियोगिता में अंकित सचदेवा प्रथम

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के छात्र कल्याण निदेशालय ने भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। इससे बचने के लिए सामाजिक दूरी रखते हुए मास्क का प्रयोग कर अनिवार्य रूप से करें।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह ने बताया कि ऑनलाइन प्रतियोगिता में विवि के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुकसान' पर आधारित था।

प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभम सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीप्ति सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया। डा. देवेंद्र ने बताया कि निबंध प्रतियोगिता का आयोजन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसाइटी की अध्यक्ष डा. अपर्णा की अगुवाई में किया गया। डा. विरेन्द्र दलाल ने इसका संचालन किया। पंजीकरण का कार्य सोसाइटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**10.08.2020**	--	--

सूत्रकृमि प्रबंधन तकनीकों को अपनाएं किसानः कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर वेबिनार आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का मुख्य विषय 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं के पूर्व प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रमन कुमार ने वेबिनार के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके।

14 राज्यों के 125 प्रतिभागी हुए शामिल

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सरावत ने कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर बताए गए सुझाव अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. जयदीप पाटिल ने बताया कि इस वेबिनार में सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों के अलावा देश के 14 राज्यों के 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस वेबिनार में देशभर से किसान, छात्र, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**10.08.2020**	--	--

निबंध प्रतियोगिता में अंकित सचदेवा प्रथम

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर हकृवि में ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। आज देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है व प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुक्सान' पर आधारित था। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभम सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीप्ति सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि निबंध प्रतियोगिता का आयोजन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा की अगुवाई में किया गया व डॉ. विरेन्द्र दलाल ने इसका संचालन किया। पंजीकरण का कार्य सोसायटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे।

हिसार। निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**10.08.2020**	--	--

सार समाचार

निबंध प्रतियोगिता में अंकित सचदेवा प्रथम

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर हकृवि में ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। आज देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है व प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी अहम् भूमिका निभा रहा है। साथ ही कोरोना के खिलाफ सभी को इस ओर सामाजिक दूरी कायम रखते हुए मास्क का प्रयोग कर सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुकसान' पर आधारित था। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के अंकित सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीप्ति सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि निबंध प्रतियोगिता का आयोजन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा की अगुवाई में किया गया व डॉ. जितेन्द्र दलाल ने इसका संचालन किया। पंजीकरण का कार्य सोसायटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**10.08.2020**	--	--

हकृवि में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर वेबिनार आयोजित

सूत्रकृमि प्रबंधन तकनीकों को अपनाएं किसान: प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का मुख्य विषय 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' था।

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के पूर्व प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राम कुमार ने वेबिनार के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने वेबिनार को संबोधित करते हुए बागवानी फसलों में लगने वाले सूत्रकृमि तथा उनके समाधान पर महत्वपूर्ण जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान की। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बीमारी मुक्त व सूत्रकृमि मुक्त नर्सरी के उत्पादन पर जोर दिया। इसके अलावा डॉ. वालिया ने पॉलीहाउस की फसलों में संयोजित सूत्रकृमि प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। वेबिनार के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब दिए।

14 राज्यों के 125 प्रतिभागी हुए शामिल

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर बताए गए सुझाव अपनाने पर बल दिया। उन्होंने किसानों से सूत्रकृमि को लेकर सचेत रहने और सावधानी बरतने का आह्वान किया। सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए परिचय करवाया।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. जयदीप पाटिल ने बताया कि इस वेबिनार में सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों के अलावा देश के 14 राज्यों के 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस वेबिनार में देशभर से किसान, छात्र, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने सभी प्रतिभागियों व अतिथियों का वेबिनार में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	**10.08.2020**	--	--

जगमार्ग हरियाणा

एबिक सेंटर के स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत: कुलपति समर सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से कृषि मंत्रालय को भेजा गया था प्रस्ताव

➡ उत्तर भारत का पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 1 करोड़ 2 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है।

कुलपति प्रो.समर सिहं ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत को पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। उन्होंने बताया कि एबिक सेंटर के 11 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ 2 लाख की राशि स्वीकृत की गई है जो जल्द ही इन्हें नियम व शर्तों अनुसार स्टार्टअप्स को आवंटित की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में आरकेवीवाई-रफ्तार स्कीम के तहत जिन स्टार्टअप्स ने 2 महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण लिया था, उन 11 स्टार्टअप्स की अंतिम प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, उन सभी को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है। यह एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के लिए बहुत ही गर्व की बात है। सहायक प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक सेंटर के तहत 11 स्टार्टअप्स को पूरे भारतवर्ष से 40 से अधिक मेंटर्स द्वारा 2 महीने का प्रशिक्षण दिया गया था जिसके परिणामस्वरूप वे अपने व्यवसाय को धरातल पर लाकर एक ब्रांड के रूप स्थापित कर पाए।

उन्होंने बताया जिनको अनुदान राशि मिलनी है उनमें अनुज हुड्डा की वैलनेस एग्री इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को 12 लाख रूपये, ओमपाल सिंह की नाईटो एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख रूपये, प्रिंस कुमार की धर्मवीर फूड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख रूपये, अंकित कुमार की ओराप्लेनेट फूड प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये, जयकरण राणा की ओमे एग्रीकल्चर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, डिंपल कथूरिया की मिलसर एग्रो फूड प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रुपए, नरेश शर्मा की गौपेथी स्वदेशी उद्योग को 5 लाख, विपिन सरीन की मैफिक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये, विशाल भंडारी की नारायणा ग्लोबल एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये, विवेक कुमार की रविक इंटरप्राइसिस प्राइवेट लिमिटेड 5 लाख रूपये व सात्विक कुमार की हेक्सहॉम प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रूपये की राशि शामिल हैं।

इस वर्ष भी मांगे गए हैं आवेदन

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. आर.के. झोरड़ ने बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम के तहत पहल-2020 व सफल-2020 नामक कार्यक्रमों के माध्यम से आवेदन मांगे हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त है। इस संबंध में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hau.ac.in व www.rkvy.abichauhisar.com पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि कृषि व कृषि संबंधित एग्री बिजनेस स्टार्टअप्स के लिए पहल-2020 प्रोग्राम उन आवेदकों के लिए है जिनका स्टार्टअप्स अभी आइडिया स्टेज पर है। इस कार्यक्रम के तहत 5 लाख तक की राशि चयनित आवेदक को नियमानुसार अनुदान के रूप में दी जाती है। इसी प्रकार सफल-2020 कार्यक्रम के तहत जिन आवेदकों ने अपना प्रोडक्ट बना रखा है और उसे बड़े स्तर पर ब्रांड के रूप में पहचान दिलाना चाहते हैं तो उनके लिए 25 लाख रूपये तक की सहायता राशि निर्धारित नियमानुसार प्रदान की जाती है। खास बात यह है कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से चयनित होने के उपरांत यह राशि वापस नहीं करनी पड़ती बल्कि इससे अपना व्यवसाय स्थापित करना होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**10.08.2020**	--	--

एबिक सेंटर के स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत : समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 1 करोड़ 2 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिहं ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत को पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 40 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। उन्होंने बताया कि एबिक सेंटर के 11 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ 2 लाख की राशि स्वीकृत की गई है जो जल्द ही इन्हें नियम व शर्तों अनुसार स्टार्टअप्स को आवंटित की जाएगी। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में आर.के.वी.वाई.-रफ्तार स्कीम के तहत जिन स्टार्टअप्स ने 2 महीने का नि:शुल्क प्रशिक्षण लिया था, उन 11 स्टार्टअप्स की अंतिम प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, उन सभी को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है। यह एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के लिए बहुत ही गर्व की बात है। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. आर.के. झोरड़ ने बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आर.के.वी.वाई. रफ्तार स्कीम के तहत पहल-2020 व सफल-2020 नामक कार्यक्रमों के माध्यम से आवेदन मांगे हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त है। इस संबंध में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hau.ac.in व www.rkvy.abichauhisar.com पर उपलब्ध है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**10.08.2020**	--	--

हकृवि में ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता में अंकित सचदेवा प्रथम

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। आज देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है व प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी अहम् भूमिका निभा रहा है। साथ ही कोरोना के खिलाफ सभी को इस ओर सामाजिक दूरी कायम रखते हुए मॉस्क का प्रयोग कर सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग

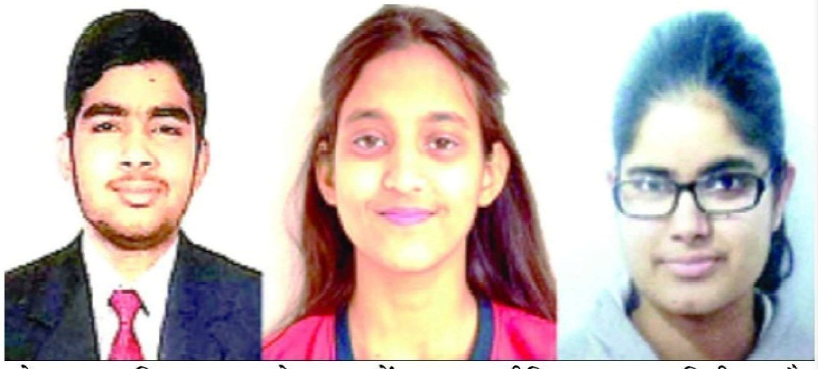

लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुक्सान्' पर आधारित था। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभम सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीप्ति सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि निबंध प्रतियोगिता का आयोजन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा की अगुवाई में किया गया व डॉ. विरेन्द्र दलाल ने इसका संचालन किया। पंजीकरण का कार्य सोसायटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**10.08.2020**	--	--

बाग लगाने से पहले किसान मिट्टी जांच अवश्य करवाएं : कुलपति

हिसार/10 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सुत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' विषय पर आयोजित ऑनलाइन वैबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं के पूर्व प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रमन कुमार ने वैबिनार के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने बागवानी फसलों में लगने वाले सूत्रकृमि तथा उनके समाधान पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बीमारी मुक्त या सूत्रकृमि मुक्त नर्सरी के उपयोग पर जोर दिया। इसके अलावा डॉ. वालिया ने पॉलीहाउस की फसलों में समेकित सूत्रकृमि प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। वेबिनार के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**10.08.2020**	--	--

निबंध प्रतियोगिता में शुभम, दीप्ती व प्राची रहे प्रथम, द्वितीय व तृतीय

हिसार/10 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के अवसर पर 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुकसान्' विषय पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभम सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीप्ति सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। उन्होंने बताया कि निबंध प्रतियोगिता का आयोजन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा की अगुवाई में किया गया व डॉ. विरेन्द्र दलाल ने इसका संचालन किया। पंजीकरण का कार्य सोसायटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। आज देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है व प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी अहम् भूमिका निभा रहा है। साथ ही कोरोना के खिलाफ सभी को इस ओर सामाजिक दूरी कायम रखते हुए मॉस्क का प्रयोग कर सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	**10.08.2020**	--	--

सूत्रकृमि प्रबंधन तकनीकों को अपनाएं किसान : कुलपति

हकृवि में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर वेबिनार आयोजित

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे।

वेबिनार का मुख्य विषय 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं के पूर्व प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रमन कुमार ने वेबिनार के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने वेबिनार को संबोधित करते हुए बागवानी फसलों में लगने वाले सूत्रकृमि तथा उनके समाधान पर महत्वपूर्ण जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान की।

उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बीमारी मुक्त या सूत्रकृमि मुक्त नर्सरी के उपयोग पर जोर दिया। इसके अलावा डॉ. वालिया ने पॉलीहाउस की फसलों में समेकित सूत्रकृमि प्रबंधन अपनाने पर बल दिया।

14 राज्यों के 125 प्रतिभागी हुए शामिल

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर बताए गए सुझाव अपनाने पर बल दिया। उन्होंने किसानों से सूत्रकृमि को लेकर सचेत रहने और सावधानी बरतने का आह्वान किया। सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए परिचय करवाया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. जयदीप पाटिल ने बताया कि इस वेबिनार में सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों के अलावा देश के 14 राज्यों के 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस वेबिनार में देशभर से किसान, छात्र, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने सभी प्रतिभागियों व अतिथियों का वेबिनार में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

वेबिनार के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु (प्रादेशिकी)	**10.08.2020**	--	--

सूत्रकृमि प्रबंधन तकनीकों को अपनाएं किसानः कुलपति

हिसार, 10 अगस्त (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का मुख्य विषय 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं के पूर्व प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रमन कुमार ने वेबिनार के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने वेबिनार को संबोधित करते हुए बागवानी फसलों में लगने वाले सूत्रकृमि तथा उनके समाधान पर महत्वपूर्ण जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान की। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बीमारी मुक्त या सूत्रकृमि मुक्त नर्सरी के उपयोग पर जोर दिया। इसके अलावा डॉ. वालिया ने पॉलीहाउस की फसलों में समेकित सूत्रकृमि प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। वेबिनार के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब दिए।

14 राज्यों के 125 प्रतिभागी हुए शामिल

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर बताए गए सुझाव अपनाने पर बल दिया। उन्होंने किसानों से सूत्रकृमि को लेकर सचेत रहने और सावधानी बरतने का आह्वान किया। सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए परिचय करवाया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. जयदीप पाटिल ने बताया कि इस वेबिनार में सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों एव विद्यार्थियों के अलावा देश के 14 राज्यों के 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस वेबिनार में देशभर से किसान, छात्र, वैज्ञानिक व कृषि अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने सभी प्रतिभागियों व अतिथियों का वेबिनार में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**10.08.2020**	--	--

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर हकृवि में ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

August 10, 2020 • Rakesh • Haryana News

हिसार : 10 अगस्त 2020

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आंदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीनता प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। आज देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है व प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी अहम् भूमिका निभा रहा है। साथ ही कोरोना के खिलाफ सभी को इस ओर सामाजिक दूरी कायम रखते हुए मॉस्क का प्रयोग कर सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि

शुभम् सचदेवा
प्रथम स्थान

दीप्ति सहरावत
द्वितीय स्थान

प्रांची बंसल
तृतीय स्थान

फोटो : निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी।

विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुक्सान' पर आधारित था। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभम